DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 July, 2024

भारत में भरण-पोषण संबंधित कानून

संदर्भ: *सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ एक मुस्लिम व्यक्ति की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसकी पूर्व पत्नी को सीआरपीसी, 1973 के तहत भरण-पोषण मांगने की अनुमति दी गई थी।*

भरण-पोषण के लिए कानून

- **सीआरपीसी की धारा 125 के तहत संहिताकरण:**
  - सीआरपीसी की धारा 125 निराश्रित पत्नियों, बच्चों और माता-पिता के लिए भरण-पोषण को नियंत्रित करती है।
  - यह अनिवार्य करता है कि पर्याप्त साधन वाले व्यक्ति को अपनी पत्नी का भरण-पोषण करना चाहिए, जिसमें मासिक भत्ता मजिस्ट्रेट तय करता है।
  - "पत्नी" में तलाकशुदा महिलाएँ शामिल हैं, जिन्होंने दोबारा शादी नहीं की है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।
  - राज्यों ने भरण-पोषण राशि को सीमित करने के लिए संशोधन किए हैं।
- **1986 अधिनियम:**
  - यह मुस्लिम महिलाओं के लिए तलाक के दौरान भरण-पोषण का दावा करने के लिए एक धर्म-विशिष्ट कानून है।
  - उच्चतम न्यायालय के 1985 के शाह बानो फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए अधिनियमित, जिसने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत मुस्लिम महिला के भरण-पोषण के अधिकार को बरकरार रखा।
  - इद्दत अवधि के दौरान भरण-पोषण भुगतान की गारंटी देता है, जो महर या दहेज के बराबर है।
  - इद्दत के बाद, अगर महिलाओं ने दोबारा शादी नहीं की है और वे आर्थिक रूप से निराश्रित हैं, तो वे मजिस्ट्रेट से भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं।
- **उच्चतम न्यायालय के निर्णय:**
  - दानियल लतीफी बनाम भारत संघ (2001): 1986 के अधिनियम को बरकरार रखा, जिसमें पुनर्विवाह तक भरण-पोषण के अधिकार को बढ़ाया गया, लेकिन अवधि को इद्दत तक सीमित रखा गया।
  - **शबाना बानो बनाम इमरान खान (2009):** दवा पुष्टि की गई कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं इद्दत के बाद भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का दावा कर सकती हैं।
  - **पटना उच्च न्यायालय (2019):** ने दोहराया कि मुस्लिम महिलाएं सीआरपीसी और 1986 अधिनियम दोनों के तहत भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं।

निर्णय के मुख्य बिंदु

- **राहत की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति:**
  - धारा 125 सीआरपीसी महिला के धर्म के बावजूद लागू होती है।
  - यह निराश्रित महिलाओं का समर्थन करती है, सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता सुनिश्चित करती है।
- **समन्वयित व्याख्या:**
  - सीआरपीसी की धारा 125 और 1986 अधिनियम दोनों अलग-अलग डोमेन में भरण-पोषण के अधिकार प्रदान करते हैं।
  - 1986 का अधिनियम धारा 125 के तहत दावों पर रोक लगाए बिना एक अतिरिक्त उपाय प्रदान करता है। मुस्लिम महिलाएँ अपनी वित्तीय स्थिति के आधार पर किसी भी प्रावधान के तहत भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं।
- **तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अधिकार:**
  - तीन तलाक जैसे अवैध तरीकों से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएँ धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण का दावा कर सकती हैं। यह निर्णय उस कानून के आधार पर भेदभाव को रोकता है जिसके तहत एक महिला विवाहित या तलाकशुदा है।

RAIN (भारतीय महासागर का क्षेत्रीय विश्लेषण)

संदर्भ: *हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) ने भारतीय महासागर के स्वास्थ्य पर सूचना एकत्रण को बढ़ाने के लिए अपने भारतीय महासागर के क्षेत्रीय विश्लेषण (RAIN) प्रणाली को उन्नत किया है।*

- RAIN, INCOIS द्वारा विकसित एक डेटा आत्मसात प्रणाली है।
- यह ROMS (क्षेत्रीय महासागर मॉडलिंग प्रणाली) को स्थानीय एनसेंबल ट्रांसफ़ॉर्म कलमन फ़िल्टर (LETKF) के साथ एकीकृत करता है।
- **ROMS:** INCOIS द्वारा भारतीय महासागर में पूर्वानुमान के लिए उपयोग किया जाने वाला एक महासागर सामान्य परिसंचरण मॉडल।
- **LETKF: एनसेंबल कलमन फ़िल्टर का एक स्मार्ट और कुशल संस्करण।**
- **एनसेंबल कारक:**
  - RAIN में 80 एनसेंबल कारक शामिल हैं।
  - प्रत्येक कारक अलग प्रारंभिक स्थितियों से प्रभावित हैं।
  - भौतिक पैरामीटर और मिक्सिंग पैरामीटराइजेशन योजनाएँ सभी कारकों में भिन्न होती हैं।
  - यह रणनीति एक स्वस्थ प्रसार को बनाए रखती है और फ़िल्टर विचलन को रोकती है।
- **शक्ति और सीमा की स्थिति:**
  - एनसेंबल कारकों को NCMRWF द्वारा संचालित GFS मॉडल से फ्लक्स के 80 समूहों द्वारा हर 6 घंटे में ऊर्जा दिया जाता है।
  - INCOIS-GODAS से समान सीमा की स्थिति सभी सदस्यों पर लागू होती है।
- **महासागरीय स्थिति वेक्टर:**
  - हिंद महासागर बेसिन (30°N 30°S; 30°E 120°E) को कवर करता है।
  - ग्रिड में ~9 किमी का क्षैतिज लंबाई पैमाना और 40 ऊर्ध्वाधर स्तर हैं।
  - महासागरीय विश्लेषण उत्पन्न करने के लिए हर पांचवें दिन आत्मसात करने के साथ समूह 5 दिनों तक चलता है।
- **डेटा आत्मसात:**
  - अर्गो फ्लोट्स, मूर्ड बॉय और शिप ट्रैक से उपग्रह समुद्री सतह तापमान (SST) डेटा और तापमान/लवणता प्रोफाइल को आत्मसात करता है।
  - इसमें बेहतर प्रतिनिधित्व त्रुटि शामिल है जो स्थान और समय के साथ बदलती रहती है।
- **समुद्री सतह लवणता:**
  - यह नदी निर्वहन प्रवाह के साथ मजबूर नहीं है।
  - एसएसएस को 30 दिनों में विश्व महासागर एटलस (WOA) मासिक जलवायु विज्ञान के लिए शिथिल किया गया।
- **आउटपुट:**
  - परिचालन महासागर पूर्वानुमान मॉडल ROMS के लिए बेहतर प्रारंभिक स्थितियाँ (विश्लेषण का समूह माध्य) प्रदान करता है।
  - अगस्त 2016 से उपलब्ध हिंद महासागर बेसिन का बेहतर विश्लेषण तैयार करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

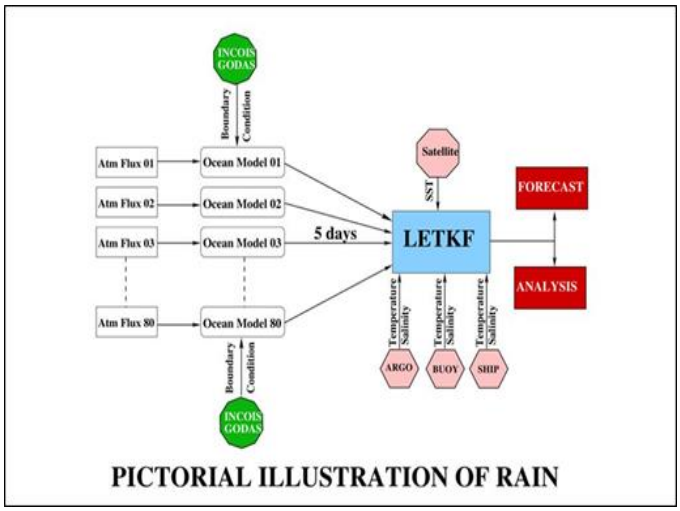

PICTORIAL ILLUSTRATION OF RAIN

वैज्ञानिक डीप-ड्रिलिंग

***संदर्भ**: भारत महाराष्ट्र के कोयना में 6 किलोमीटर गहरा छेद करने के मिशन पर है, जिसका उद्देश्य भूकंपीय जानकारी को उजागर करना है।*

परिभाषा

- वैज्ञानिक डीप-ड्रिलिंग में पृथ्वी की पपड़ी के गहरे हिस्सों का निरीक्षण और विश्लेषण करने के लिए रणनीतिक रूप से बोरहोल खोदना शामिल है।
- यह भूकंपों का अध्ययन करने में मदद करता है और ग्रह के इतिहास, चट्टान के प्रकार, ऊर्जा संसाधनों, जीवन रूपों, जलवायु परिवर्तन पैटर्न और जीवन के विकास की समझ को बढ़ाता है।

बोरहोल जियोफिजिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (BGRL)

- भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कराड, महाराष्ट्र में स्थित है।
- भारत के एकमात्र वैज्ञानिक डीप-ड्रिलिंग कार्यक्रम को क्रियान्वित करता है।
- कोयना-वार्ना क्षेत्र में जलाशय-ट्रिगर भूकंपों का अध्ययन करने के लिए पृथ्वी की पपड़ी में 6 किमी तक ड्रिल करने का लक्ष्य रखता है।
- 1962 में कोयना बांध के बंद होने के बाद से इस क्षेत्र में लगातार भूकंप आते रहे हैं।
- BGRL ने 3 किमी की गहराई तक एक पायलट बोरहोल पूरा किया और 6 किमी तक पहुँचने की योजना बनाई है।

डीप-ड्रिलिंग के लाभ

- **भूकंप को समझना**
  - सतह-स्तर के अवलोकन अपर्याप्त हैं; गहरी ड्रिलिंग भूकंप का अध्ययन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।
  - कोयना में बार-बार आने वाले भूकंप मानसून के मौसम में बांध के लोडिंग/अनलोडिंग से जुड़े हैं।
- **भूवैज्ञानिक वेधशालाएँ**
  - सेंसर वाले बोरहोल फॉल्ट लाइनों और भूकंप के व्यवहार की निगरानी के लिए वेधशालाओं के रूप में काम करते हैं।
  - प्रत्यक्ष, इन-सीटू प्रयोग और अवलोकन प्रदान करें।
- **ज्ञान का विस्तार**
  - पृथ्वी की पपड़ी की संरचना, संरचना और प्रक्रियाओं का मौलिक ज्ञान देता है।
  - भू-खतरों और भू-संसाधनों से संबंधित सामाजिक समस्याओं की जानकारी देता है।
  - भूकंप विज्ञान में वैज्ञानिक जानकारी और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देता है।

डीप-ड्रिलिंग की चुनौतियाँ

- तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियाँ
  - श्रम और पूंजी-गहन।
  - गर्म, अंधेरा, उच्च दबाव वाला वातावरण संचालन को जटिल बनाता है।
  - ड्रिलिंग रिग मस्तूल की हुक लोड क्षमता गहराई को सीमित करती है।
  - बढ़ी हुई गहराई के लिए अधिक संपीड़ित वायु दबाव और बढ़ी हुई रिग क्षमता की आवश्यकता होती है।
- **ड्रिलिंग तकनीक**
  - **हाइब्रिड तकनीक:** मड रोटरी ड्रिलिंग और पर्क्यूशन ड्रिलिंग (एयर हैमरिंग)।
  - मड रोटरी में डायमंड ड्रिल बिट के साथ घूमने वाली स्टील रॉड का उपयोग किया जाता है; ड्रिलिंग मड बिट को ठंडा और चिकना करता है और मलबे को बाहर निकालता है।
  - एयर हैमरिंग में बोरहोल को गहरा करने और कटिंग को बाहर निकालने के लिए संपीड़ित हवा का उपयोग किया जाता है।
- **ऑपरेशनल चुनौतियाँ**
  - 6 किमी तक ड्रिलिंग के लिए अपडेटेड रिग क्षमता और उन्नत योजना की आवश्यकता होती है।
  - चट्टान के प्रकार, जल प्रवाह क्षेत्रों और कोर नमूनों की आवश्यकता के आधार पर गतिशील निर्णय लेना।
  - महीनों तक 24/7 ऑन-साइट जुड़ाव के लिए कुशल तकनीकी कर्मियों की आवश्यकता होती है।

उपलब्धियाँ और निष्कर्ष

- **पायलट ड्रिलिंग की सफलता**
  - डेक्कन ट्रैप लावा प्रवाह और प्राचीन ग्रेनाइटिक बेसमेंट चट्टानों का पता चला।
  - चट्टान के गुणों, रासायनिक संरचना, तापमान, तनाव व्यवस्था और फ्रैक्चर अभिविन्यास पर नई जानकारी प्रदान की।
  - उच्च-रिज़ॉल्यूशन बोरहोल दीवार की छवियाँ दोष-फ्रैक्चर क्षेत्र और चट्टान विरूपण दिखाती हैं।
- **मुख्य खोजें**
  - 3 किमी नीचे उल्कापिंड के पानी की उपस्थिति गहरे रिसाव का संकेत देती है।
  - कोयना क्षेत्र गंभीर रूप से तनावग्रस्त है, जिसके कारण अक्सर छोटे भूकंप आते रहते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 July, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की है कि वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकन 15 जुलाई से 31 अगस्त तक होंगे।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार के बारे में:

- राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार पशुधन और डेयरी क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक है।
- यह पुरस्कार दूध उत्पादक किसानों, डेयरी सहकारी समितियों, दूध उत्पादक कंपनियों, डेयरी किसान उत्पादक संगठनों और कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों को प्रोत्साहित करने के लिए 2021 से प्रत्येक वर्ष प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाएंगे जो 26 नवंबर को मनाया जाता है।
- विजेताओं को योग्यता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और मौद्रिक पुरस्कार दिए जाएंगे।
- पुरस्कार श्रेणियों में स्वदेशी मवेशी/भैंस नस्लों का पालन करने वाले सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति (डीसीएस)/दूध उत्पादक कंपनी (एमपीसी)/डेयरी किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (एआईटी) शामिल हैं।
- सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान और सर्वश्रेष्ठ डीसीएस/एफपीओ/एमपीसी श्रेणियों के पुरस्कारों में प्रथम स्थान के लिए 5 लाख रुपये, दूसरे स्थान के लिए 3 लाख रुपये, तीसरे स्थान के लिए 2 लाख रुपये और एनईआर के लिए विशेष पुरस्कार के लिए 2 लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है।
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को वैज्ञानिक तरीके से स्वदेशी गोजातीय नस्लों के संरक्षण और विकास के उद्देश्य से दिसंबर 2014 में लॉन्च किया गया था।

सियांग नदी

अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोग और किसान संगठन तथा मानवाधिकार निकाय द्वारा अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले में सियांग नदी पर प्रस्तावित 11,000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना का विरोध किया जा रहा है।

सियांग नदी के बारे में:

- सियांग नदी तिब्बत में कैलाश रेंज ग्लेशियर से लगभग 5,300 मीटर की ऊँचाई पर निकलती है।
- यह पूर्वोत्तर भारत में ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह नमचा बरवा चोटी के चारों ओर एक घोड़े की नाल के आकार का मोड़ बनाने से पहले 1,000 किलोमीटर से अधिक पूर्व की ओर बहती है और सियांग के रूप में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है।
- तिब्बत में, इसे त्सांगपो नदी और चीन में यारलुंग ज़ंगबो के नाम से जाना जाता है।
- यह तिब्बती पठार से होकर बहती है और फिर भारत में प्रवेश करने से पहले हिमालय में एक गहरी खाई से होकर गुजरती है।
- भारत में, यह अरुणाचल प्रदेश से होकर दक्षिण-पूर्व दिशा में लगभग 230 किलोमीटर तक प्रवाहित होती है और पासीघाट तक पहुँचती है।
- इसकी कई प्रमुख सहायक नदियाँ हैं, जिनमें लोहित और दिबांग नदियाँ शामिल हैं, जो अरुणाचल प्रदेश में इसमें मिलती हैं।

मॉर्निया पिटरसी और भारतीय सॉफ्टशेल कछुए

हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने भारतीय आंखों वाले और भारतीय सॉफ्टशेल कछुओं सहित लगभग 100 कछुओं को बचाया।

मॉर्निया पिटरसी (Morenia petersi) और भारतीय सॉफ्टशेल कछुओं के बारे में:

- मॉर्निया पिटरसी जिसे भारतीय आंखों वाला कछुआ (मोरेनिया पीटरसी) भी कहते हैं एक छोटा मीठे पानी का कछुआ है जो जियोमीडिडे परिवार से संबंधित है, जबकि भारतीय सॉफ्टशेल कछुआ (निल्सोनिया गैंगेटिका) भी मीठे पानी का कछुआ है, लेकिन यह ट्रायोनीचिडे परिवार से संबंधित है।
- मॉर्निया पिटरसी कछुआ मुख्य रूप से भारत और बांग्लादेश में गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में नदियों, झीलों और तालाबों में पाया जाता है।
- इसके विपरीत, भारतीय सॉफ्टशेल कछुआ बड़ी नदियों, जलाशयों और दलदलों में रहता है, खासकर गंगा, सिंधु और महानदी नदी प्रणालियों में।
- मॉर्निया पिटरसी कछुआ अपने सिर और शरीर पर विशिष्ट आंख जैसे निशानों के लिए जाना जाता है, जिसमें मध्यम गुंबददार कवच होता है जो जैतून से भूरे रंग का होता है।
- भारतीय सॉफ़्टशेल कछुए का कवच चपटा, मुलायम और चमड़े जैसा होता है, जो कठोर कवच वाले कछुओं की तुलना में ज़्यादा लचीला होता है, आमतौर पर जैतून या भूरे रंग का और नीचे का हिस्सा हल्का होता है।
- भारतीय आंखों वाला कछुआ और भारतीय सॉफ़्टशेल कछुआ दोनों ही IUCN रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

फ्रांस

*हाल ही में, फरवरी 2023 के संयुक्त रोडमैप के अनुसार त्रिपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा करने के लिए **भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय फोकल पॉइंट्स बैठक** वर्चुअली आयोजित की गई थी।*

फ्रांस (राजधानी: पेरिस)

स्थान: फ्रांस, आधिकारिक तौर पर फ्रांसीसी गणराज्य पश्चिमी यूरोप में स्थित एक देश है।

सीमाएँ:

फ्रांस की सीमा स्विट्जरलैंड (पूर्व), अटलांटिक महासागर (पश्चिम), बेल्जियम, लक्जमबर्ग और उत्तरी सागर (उत्तर), जर्मनी (उत्तर-पूर्व), इटली, मोनाको और भूमध्य सागर (दक्षिण-पूर्व), अंडोरा और स्पेन (दक्षिण), इंग्लिश चैनल (उत्तर-पश्चिम) से लगती है।

भौतिक विशेषताएँ:

- फ्रांस का सबसे ऊँचा स्थान मोंट ब्लांक है, जो फ्रांसीसी आल्प्स में स्थित है।
- फ्रांस की प्रमुख नदियों में सीन, लॉयर, रोन, गैरोन, डोरडॉग, मीयूज, मार्ने और मोसेल शामिल हैं।
- फ्रांस में पाए जाने वाले **महत्वपूर्ण खनिजों** में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, यूरेनियम, पोटाश, नमक, सीसा, जस्ता और तांबा शामिल हैं, जो इसके खनिज संसाधन आधार में योगदान करते हैं।

संसदीय प्रणाली: फ्रांस में द्विसदनीय संसदीय प्रणाली है जिसमें नेशनल असेंबली (निचला सदन) और सीनेट (उच्च सदन) शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख और प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख हैं।

POINTS TO PONDER

- कौन सा मंत्रालय फ्लाई ऐश के निपटान और पुनःउपयोग में सक्रिय रूप से शामिल है, जो थर्मल पावर प्लांट में चूर्णित कोयले को जलाने से उत्पन्न होने वाला उपोत्पाद है? – **कोयला मंत्रालय**
- हाल ही में, किस देश ने करतारपुर कॉरिडोर की जीरो लाइन पर लंबे समय से प्रतीक्षित पुल का निर्माण पूरा किया? – **पाकिस्तान**
- वचन साहित्य को पुनर्जीवित करने में उनके योगदान के लिए हाल ही में उनकी जयंती पर किसे याद किया गया? – **फा. गु. हलकट्टी**
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में की गई एक टिप्पणी के अनुसार, किसी एजेंट को दी गई पावर ऑफ अटॉर्नी ("पीओए") का निहित निरसन कब होगा? – **यदि प्रिंसिपल खुद के लिए कार्य करना चुनता है और यह तथ्य एजेंट और तीसरे पक्ष को पता है**
- रूस की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, भारत के प्रधान मंत्री को रूस के किस सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया? – **ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल**